Q No विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization – WTO) के उद्देश्य एवं कार्य (Objectives and Functions of WTO)

विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization – WTO) विश्व का सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संगठन है। इसकी स्थापना 1 जनवरी 1995 को उरुग्वे दौर (Uruguay Round) की वार्ताओं के परिणामस्वरूप माराकेश समझौते (Marrakesh Agreement) के तहत हुई। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में स्थित है।

WTO ने 1947 में स्थापित GATT (General Agreement on Tariffs and Trade) का स्थान लिया। GATT मुख्य रूप से वस्तुओं के व्यापार तक सीमित था, जबकि WTO वस्तुओं, सेवाओं, कृषि, निवेश, बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS) तथा व्यापार से संबंधित अन्य विषयों को भी अपने कार्यक्षेत्र में शामिल करता है।

वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था में WTO की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सदस्य देशों के बीच व्यापारिक नियमों का निर्माण, व्यापारिक विवादों का समाधान, व्यापार उदारीकरण को बढ़ावा तथा विकासशील देशों को विशेष सहायता प्रदान करता है।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के उद्देश्य (Objectives of WTO)

1. मुक्त एवं उदार व्यापार को प्रोत्साहित करना

WTO का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व व्यापार को अधिक स्वतंत्र एवं उदार बनाना है। इसके लिए यह सदस्य देशों को आयात शुल्क, कोटा तथा अन्य व्यापारिक प्रतिबंधों को कम करने के लिए प्रेरित करता है। इससे वस्तुओं एवं सेवाओं का अंतरराष्ट्रीय प्रवाह सरल होता है।

2. व्यापारिक बाधाओं को कम करना

WTO सीमा शुल्क (Tariffs), आयात प्रतिबंध, लाइसेंस प्रणाली तथा अन्य गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने का प्रयास करता है, जिससे वैश्विक व्यापार में वृद्धि हो सके।

3. निष्पक्ष एवं नियम-आधारित व्यापार प्रणाली स्थापित करना

संगठन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी सदस्य देशों के लिए व्यापारिक नियम समान हों तथा किसी भी देश के साथ भेदभाव न किया जाए। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पारदर्शिता एवं विश्वास बढ़ता है।

4. आर्थिक विकास को बढ़ावा देना

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि से उत्पादन, निवेश, रोजगार तथा राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है। WTO व्यापार के माध्यम से सदस्य देशों के आर्थिक विकास को गति प्रदान करता है।

5. विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को विशेष सहायता प्रदान करना

WTO विकासशील देशों को विशेष एवं भिन्न (Special and Differential Treatment) सुविधाएँ प्रदान करता है ताकि वे विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें तथा वैश्विक व्यापार में अपनी भागीदारी बढ़ा सकें।

6. जीवन स्तर में सुधार करना

व्यापार के विस्तार से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होते हैं, उत्पादन बढ़ता है तथा आय में वृद्धि होती है। इससे लोगों का जीवन स्तर ऊँचा होता है।

7. संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग

WTO देशों को तुलनात्मक लाभ (Comparative Advantage) के आधार पर उत्पादन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों का कुशल उपयोग संभव होता है।

8. सतत विकास (Sustainable Development) को बढ़ावा देना

आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग को भी WTO महत्व देता है।

9. वैश्विक आर्थिक सहयोग को मजबूत करना

WTO सदस्य देशों के बीच सहयोग, विश्वास तथा समन्वय स्थापित कर विश्व अर्थव्यवस्था को अधिक स्थिर एवं सुदृढ़ बनाने का प्रयास करता है।

10. विश्व व्यापार में पारदर्शिता लाना

व्यापारिक नीतियों एवं नियमों को स्पष्ट एवं सार्वजनिक बनाने पर WTO विशेष बल देता है।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के कार्य (Functions of WTO)

1. व्यापार समझौतों का प्रशासन (Administration of Trade Agreements)

WTO विभिन्न बहुपक्षीय व्यापार समझौतों का संचालन करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि सभी सदस्य देश इन समझौतों का पालन करें।

2. व्यापारिक विवादों का समाधान (Dispute Settlement)

यदि दो सदस्य देशों के बीच व्यापार संबंधी विवाद उत्पन्न होता है, तो WTO की विवाद निपटान प्रणाली निष्पक्ष एवं कानूनी आधार पर उसका समाधान करती है।

3. व्यापार नीति की समीक्षा (Trade Policy Review Mechanism)

WTO समय-समय पर सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा करता है ताकि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के अनुरूप रहें।

4. व्यापार वार्ताओं के लिए मंच प्रदान करना

संगठन सदस्य देशों को नए व्यापार समझौते करने, शुल्क कम करने तथा व्यापारिक समस्याओं पर चर्चा करने के लिए मंच उपलब्ध कराता है।

5. तकनीकी सहायता एवं प्रशिक्षण

विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को WTO प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम उपलब्ध कराता है।

6. अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग

WTO अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), विश्व बैंक (World Bank) तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग करके वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

7. व्यापार उदारीकरण को बढ़ावा देना

संगठन सदस्य देशों के बीच शुल्क एवं अन्य व्यापारिक अवरोधों को कम करने हेतु निरंतर वार्ताएँ आयोजित करता है।

8. बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा

TRIPS समझौते के माध्यम से पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क तथा अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

9. सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना

GATS (General Agreement on Trade in Services) के माध्यम से बैंकिंग, बीमा, पर्यटन, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित किया जाता है।

10. कृषि व्यापार का नियमन

WTO कृषि क्षेत्र में सब्सिडी, निर्यात सहायता तथा बाजार पहुँच से संबंधित नियम बनाता है ताकि कृषि व्यापार अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष हो।

11. विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना

व्यापार संबंधी निवेश उपायों (TRIMS) के माध्यम से निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाता है।

12. विश्व व्यापार की निगरानी

WTO सदस्य देशों की व्यापारिक गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखता है तथा आवश्यक सुधारों का सुझाव देता है।

WTO का महत्व

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्थिरता लाता है।
- व्यापारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करता है।
- वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।
- विकासशील देशों को विश्व व्यापार में भागीदारी का अवसर देता है।
- विदेशी निवेश एवं रोजगार को बढ़ावा देता है।
- उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य उपलब्ध कराता है।
- वैश्विक आर्थिक सहयोग को मजबूत करता है।
- WTO की प्रमुख चुनौतियाँ
- विकसित एवं विकासशील देशों के हितों में टकराव।
- कृषि सब्सिडी पर विवाद।
- निर्णय प्रक्रिया में देरी।
- छोटे एवं गरीब देशों की सीमित भागीदारी।
- वैश्विक आर्थिक संकटों का प्रभाव।
- संरक्षणवादी नीतियों का बढ़ता प्रभाव।

भारत के लिए WTO का महत्व

भारत जैसे विकासशील देश के लिए WTO अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारतीय कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र को वैश्विक बाजार तक पहुँच मिलती है। आईटी सेवाओं, औषधि उद्योग, वस्त्र उद्योग तथा कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के अवसर प्राप्त होते हैं। साथ ही, भारत अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए WTO के विवाद निपटान तंत्र का भी उपयोग कर सकता है।

निष्कर्ष

विश्व व्यापार संगठन आधुनिक वैश्विक व्यापार व्यवस्था की आधारशिला है। इसका उद्देश्य केवल व्यापार को बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे नियम-आधारित, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं विकासोन्मुख बनाना भी है। WTO ने विश्व व्यापार के विस्तार, व्यापारिक विवादों के समाधान, निवेश को प्रोत्साहन तथा विकासशील देशों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यद्यपि इसे अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी वैश्विक अर्थव्यवस्था

में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बनी हुई है। भविष्य में WTO को अधिक समावेशी, पारदर्शी तथा प्रभावी बनाकर विश्व व्यापार को और अधिक संतुलित एवं टिकाऊ बनाया जा सकता